



epaper.vaartha.com



प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वर्ष-28 अंक : 157 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टनम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.8 2080 गुरुवार, 24 अगस्त 2023

# चंद्रयान बोला- मैं अपनी मंजिल पर पहुंचा

साउथ पोल पर लैंडिंग करने वाला भारत पहला देश, पीएम मोदी बोले- अब चंद्र मामा दूर के नहीं

बैंगलुरु, 23 अगस्त (एजेंसियां)। 23 अगस्त की शाम को चांद पर जैसे ही सूरज उगा, इसरो के चंद्रयान ने उसके साउथ पोल पर लैंडिंग कर दियास रच दिया। भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कामयाब लैंडिंग करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है।

चंद्रयान-3 ने बुधवार शाम 5 बजावकर 44 मिनट पर लैंडिंग प्रोसेस शुरू की। इसके बाद अमाले 20 मिनट में चंद्रमा की अंतिम कक्षा से 25 किमी का सफर पूरा होय। शाम 6 बजाकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 के लैंडर ने चांद पर पहले कदम रखा।

इसके तेज डायरेक्टर एस. सोमानाथ ने कहा- अगले 14 दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रज्ञान रोबर को बाहर आने में एक दिन का समय भी लग सकता है। प्रज्ञान हमें चांद के बातावरण के बारे में जानकारी देगा। हमारे कई मिशन कतार में हैं। जल्दी सूर्य पर आदित्य तक भी जाएंगा।

इसके तेज डायरेक्टर एस. सोमानाथ ने कहा- अगले 14 दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रज्ञान रोबर को बाहर आने में एक दिन का समय भी लग सकता है। प्रज्ञान हमें चांद के बातावरण के बारे में जानकारी देगा। हमारे कई मिशन कतार में हैं। जल्दी सूर्य पर आदित्य तक भी जाएंगा।

इसके तेज डायरेक्टर एस. सोमानाथ ने कहा- अगले 14 दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रज्ञान रोबर को बाहर आने में एक दिन का समय भी लग सकता है। प्रज्ञान हमें चांद के बातावरण के बारे में जानकारी देगा। हमारे कई मिशन कतार में हैं। जल्दी सूर्य पर आदित्य तक भी जाएंगा।

इसके तेज डायरेक्टर एस. सोमानाथ ने कहा- अगले 14 दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रज्ञान रोबर को बाहर आने में एक दिन का समय भी लग सकता है। प्रज्ञान हमें चांद के बातावरण के बारे में जानकारी देगा। हमारे कई मिशन कतार में हैं। जल्दी सूर्य पर आदित्य तक भी जाएंगा।

इसके तेज डायरेक्टर एस. सोमानाथ ने कहा- अगले 14 दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रज्ञान रोबर को बाहर आने में एक दिन का समय भी लग सकता है। प्रज्ञान हमें चांद के बातावरण के बारे में जानकारी देगा। हमारे कई मिशन कतार में हैं। जल्दी सूर्य पर आदित्य तक भी जाएंगा।

अब सभी को विक्रम लैंडर से प्रज्ञान रोबर के बाहर आने का इंतजार है। धूल का गुबार शांत होने के बाद यह बाहर

आएगा। इसमें कीबी 1 घंटा 50 मिनट लगेगा। इसके बाद विक्रम और प्रज्ञान एक दूसरे की फटो खींचेंगे और पवर्ची पर भेजेंगे। चंद्रयान मिशन को आंपरेट कर, रहे इंडियन स्पेस अर्गेंसीज़ शन यानी इसरो ने चंद्रयान को श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई को लॉन्च किया था। 41वें दिन चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग की प्लानिंग की गयी।

चांद पर लैंडिंग में 41 दिन लगे चंद्रयान-3 अंत्रिम देश के श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई को लॉन्च कर, 35 मिनट पर लॉन्च हुआ था। इसे चांद की सहर पर लैंडिंग करने में 41 दिन का समय लगा। धरती से चांद की कुल दूरी 3 लाख 84 हजार किलोमीटर है।

लैंडिंग के बाद अब क्या होगा?

इसके तेज डायरेक्टर एस. सोमानाथ ने कहा- अब चंद्रयान-3 ने लैंडर करेगा। फिर रैपे खुलेगा और प्रज्ञान रोबर रैपे से चांद

## मोदी बोले- चंद्र मामा

### दूर के नहीं, एक दूर के

प्रधानमंत्री नेर्दू मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर वैज्ञानिकों के बधाई दी। उन्होंने कहा- यह क्षण भारत के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है। अमृतकाल में अमृतवर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे संकल्प किया। हम अतिरिक्त में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं। भारत से पहले रूस चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लूना-25 यान उतारे वाला था। 21 अगस्त को यह लैंडिंग होनी थी, लेकिन आखिरी अर्बिट बदलते समय गास्टे से भटक गया और चांद की सतह पर क्रैश हो गया।

भारत में धर्ती को मां कहा जाता है। वहीं, चांद को मामा। कभी कहा जाता था कि चंद्र मामा बहुत दूर के हैं। अब एक समय वो भी आएगा, जब बच्चे कहेंगे कि चंद्र मामा बस एक दूर के हैं।

पीएम मोदी, चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर



पीएम मोदी, चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर

कमांड सेंटर में रहा उत्साह-बेचैनी का माहौल

इसरो के बैंगलुरु स्थित टेलीमीटी एंड कमांड सेंटर (ईस्टरेक) के मिशन औपरेशन कॉम्प्लिक्स (मॉक्स) में 50 से ज्यादा वैज्ञानिक कार्यालय पर लॉन्च हुआ था। ब्लू ओरिजिन LVM3 का इस्टरेमाल कॉमर्शियल और ट्रैरिजम पर्सन के लिए करना चाहता है। LVM3 के जरिए ब्लू ओरिजिन अपने क्रू कैप्सूल के प्लानर लॉरी अर्थ ऑर्बिट स्पेस स्टेशन तक ले जाएगा।

साउथ पोल पर ही मिशन क्यों भेजा गया?

चंद्रमा के पोलर रीजन दर्सन रीजन्स से जाना जाता है। यहां कई हिस्से ऐसे हैं जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती और तापमान -200 डिग्री सेल्सियस से नीचे तक चला जाता है। ऐसे वैज्ञानिकों का अनुभव है कि यहां लैंडिंग के समय गलत कैसला लेने की हर गुणांश खत्म हो जाए। चांद पर लैंडिंग के बाद इसरो सेंटर में उत्साह और बेचैनी का माहौल रहा।

इस बार लैंडर में 5 की जगह 4 डिंजन क्यों?

इस बार लैंडर में चारों को पर चार डिंजन (थ्रस्टर) लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास 70 डिग्री अक्षांश पर। लैंडिंग के बाद एरिया बढ़ाया गया है। चंद्रयान-2 से लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी X 2.5 किमी है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का भारत चाहता है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर X 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 क









## गहरी होती भ्रष्टाचार की जड़ें

सरकारी अफसरों में भ्रष्टाचार की जड़ें किस कदर मजबूत हो चुकी हैं यह बात शायद ही किसी से छुपी हो। यहां तक कि इनको जड़ों को जिस सरकार ने भी काटने की कोशिश की उसी सरकार को इन अफसरों ने बदनाम कर के रख दिया। नतीजतन ऐसे भ्रष्ट अफसरों की सल्तनत आज भी कायम है। यह भी सब तब हो रहा है जब हर चुनाव में भ्रष्टाचार हटाने का मुद्दा सबसे प्रमुख होता है। जो भी सरकार बनती है उसका सबसे पहला हमला इसी बात पर होता है कि वह भ्रष्टाचार समाप्त करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। लेकिन हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार को जितना हटाने की कोशिश की गई वह साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है। अक्सर देखा गया है कि हर साल भ्रष्टाचार अपने पुराने पायदान के आसपास ही दिखाई देता है। देखा जाए तो मौजूदा केंद्र सरकार के अहम वादों और प्रयासों में भ्रष्टाचार समाप्त करना ही सबसे ऊपर रहा है। लेकिन पिछले कुछ समय से जिस तरह नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक(कैग) और दूसरी जांचों की रपटें आ रही हैं, इससे स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार पर काबू पाना इस सरकार के लिए भी चुनौती बना हुआ है। केंद्रीय सतर्कता आयोग यानी सीवीसी की ताजा रपट के मुताबिक पिछले वर्ष केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में एक लाख पंद्रह हजार से अधिक अधिकारियों के खिलाफ शिकायतें दर्ज हुईं। ताज्जुब है कि सबसे अधिक शिकायतें गृह मंत्रालय के अधिकारियों के खिलाफ ही दर्ज की गईं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि उनमें से करीब आधी शिकायतों का निपटारा भी हो गया, लेकिन बाकी अभी ठंडे बस्ते के हवाले हैं। उनमें से भी करीब दो तिहाई मामलों का निपटारा तीन महीने से अधिक समय से लंबित है। जबकि नियमों के अनुसार सीवीसी को ऐसी शिकायतों का निपटारा तीन महीने के अन्यमितता की शिकायतों के निपटारे में देरी एक अलग मुद्दा है, लेकिन अफसोसजनक है कि जिस मंत्रालय पर कानून-व्यवस्था सुधारने की सबसे अहम जिम्मेदारी है, उसी में भ्रष्टाचार की शिकायतें सबसे ज्यादा दर्ज हुई हैं। मौजूदा सरकार का पहले कार्यकाल से ही वोर्ट्स हैं और 15 फीसदी मतुआ। हम बात यहां मुस्लिम वोर्ट्स की करेंगे क्योंकि इस बारी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा मुस्लिम वोर्ट बैंक को साध रही है।

हाल ही में हुई भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कार्यकर्ताओं और राज्य के नेताओं को खास निर्देश मिले हैं कि जनता के बीच केंद्र की उन स्कीमों के बारे में बताएं जो वंचित और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए शुरू की गई हैं। भाजपा इस बार बंगाल चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। यही बजह है कि राज्य के नेता मुस्लिम बहुल इलाकों में रैलियां करके ममता के मुस्लिम वोर्ट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा के राज्य नेताओं ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम समुदाय को विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए कृषक सम्मान निधि और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में, बॉलीवुड अभिनेता से राजनेता बने मिथुन चक्रवर्ती, जो भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य हैं, ने दक्षिण 24 परगना जिले में कई सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया जो अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। उन्होंने लोगों से पंचायत है। उनका कहना है कि भाजपा के खिलाफ एक नैराटिव तैयार किया गया है। हम मुस्लिम भाइयों का कल्याण चाहते हैं।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का मानना है कि आपने (अल्पसंख्यक समुदाय) किसे सत्ता में लाया है? 100 में से कम से कम 95 ने ममता बनर्जी को वोट दिया है। देखिए, आपने किसे सत्ता में लाया है? आपको करना होगा। जमीनी स्तर पर काम करो और ममता बनर्जी को सत्ता से हटाओ।

वैसे लोकनीति और सीएसडीएस के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो भारतीय जनता पार्टी के मुस्लिम वोर्ट बैंक बढ़ने की शुरुआत 1998 से शुरू हो गई थी। जहां 1996 में भाजपा को मात्र 2 परसेट मुस्लिम वोट मिला था। वहां 1998 में वह तीन गुना यानी 6 परसेट पहुंच गया था। इसके बाद 1999 और 2004 में एक फीसद बढ़कर यह 7 परसेट तक पहुंच गया था।

15वीं लोकसभा में यह घटकर 4 परसेट पर आ गया था। इसके बाद प्रधानमंत्री उमीदवार के रूप में चुनाव में उत्तरने वाले नरेंद्र मोदी जिनकी छवि विपक्ष ने मुस्लिम विरोधी की बना रखी थी, के आने के बावजूद 16वीं लोकसभा यानी 2014 में भाजपा को मुस्लिमों का 9 परसेट वोट मिला। यह पिछली बार की तुलना में सम्मेलन किया जिसमें पूरे राज्य से अल्पसंख्यकों के नेता जुटे। इस मौके पर ममता ने इमामों की तनख्वाह में हर महीने 500 रुपये की बढ़ातरी का ऐलान किया। इसके साथ साथ ममता ने कहा कि उनकी सरकार पुजारियों का भत्ता भी 500 रुपये महीने बढ़ाएगी। अब बंगाल में इमामों को तीन हजार रुपये और पुजारियों को 1500 रुपये हर महीने मिलेंग। पुजारियों और इमामों की तनख्वाह में इजाफे के ऐलान के बाद ममता ने भाजपा पर मुसलिमानों से नफरत करने का इल्जाम लगाया। ममता ने कहा कि अल्पसंख्यकों को, खासतौर पर मुसलिमानों को भाजपा से सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि भाजपा के कुछ नेता, कई अल्पसंख्यक नेताओं को पैसे देकर बंगाल का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। ममता ने ये भी कह दिया कि बंगाल के लोगों को प्रधानमंत्री और कांग्रेस से भी बचकर रहना चाहिए क्योंकि भाजपा, प्रधानमंत्री और कांग्रेस आपस में मिले हुए हैं।

इसके बाद ममता बनर्जी का सिविल कोड, और सीएए की बात करती है। ममता बनर्जी का कहना है कि वो बंगाल में इस तरह के कानून किसी कीमत पर लागू नहीं होने देंगी। उन्होंने कहा, 'मैं फुरफुरा शरीफ के मौलाना का बहुत सम्मान करती हूं, लेकिन मैं आपसे भी ये मुस्लिमों पर अच्छी पकड़ बन गई है।

गौरतलब यह भी है कि भाजपा व ममता को मात्र 3 साल पहले बने नए दल आईएसएफ से भी उसे कांटे की टक्कर मिल सकती है। अभी हाल में समाप्त हुए पंचायत चुनाव में आईएसएफ ने 300 से अधिक सीटें जीतकर भाजपा व ममता के माथे पर बल ला दिया था। खासकर मुस्लिम बहुल्य इलाकों में टीएमसी को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। आईएसएफ की अब उर्दू के साथ-साथ बंगाली भाषा

अशोक भाटिया

वोटर्स हैं और 15 फीसदी मतुआ। हम बात यहां मुस्लिम वोटर्स की करेंगे क्योंकि इस बारी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा मुस्लिम वोट बैंक का साधा रही है।

हाल ही में हुई भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कार्यकर्ताओं और राज्य के नेताओं को खास निर्देश मिले हैं कि जनता के बीच केंद्र की उन स्कीमों के बारे में बताएं जो वंचित और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए शुरू की गई हैं। भाजपा इस बार बंगाल चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। यही वजह है कि राज्य के नेता मुस्लिम बहुल इलाकों में रैलियां करके ममता के मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव पर फोकस करने की बात कही थी। कार्यकर्ताओं से बंगाल के वंचित समुदायों और खासकर अल्पसंख्यकों सहित समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने का केंद्र की स्कीम पहुंचाने और जागरूक करने आग्रह किया था। भाजपा नेता पश्चिम बंगाल में आगामी लोकसभा चुनाव के मदेनजर मुस्लिम वोट बैंक को साधने में जुटे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष का कहना है कि वोटर्सी के वोट बैंक में सेंध करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष का मानना है कि अगर 30% आवादी वंचित है और वे मुख्यधारा में नहीं आते हैं, तो पश्चिम बंगाल राज्य कैसे प्रगति करेगा? गरीबों के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कई योजनाएं शुरू कीं जिनमें से अल्पसंख्यक समुदायों को इतना लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना में लूट हुई तो अल्पसंख्यक समुदाय को खामियाजा भुगतना पड़ेगा। पश्चिम बंगाल में उन्हें इससे वंचित रखा गया है। लाभ इसलिए नहीं मिल पा रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बाधा बनी हुई है।

भाजपा के राज्य नेताओं ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम समुदाय को विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए कृषक सम्मान निधि और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में, बॉलीवुड अभिनेता से राजनेता बने मिथुन चक्रवर्ती, जो भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य है, ने दक्षिण 24 परगना जिले में कई सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया जो अल्पसंख्यक बहुल हैं और सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। उन्होंने लोगों से पंचायत है। उनका कहना है कि भाजपा के खिलाफ एक नैरेटिव तैयार किया गया है। हम मुस्लिम बाइयों का कल्याण चाहते हैं।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शेंदु अधिकारी का मानना है कि आपने (अल्पसंख्यक समुदाय) किसे सत्ता में लाया है? 100 में से कम से कम 95 ने ममता बनर्जी को वोट दिया है। देखिए, आपने किसे सत्ता में लाया है? आपको करना होगा। जमीनी स्तर पर काम करो और ममता बनर्जी को सत्ता से हटाओ।

वैसे लोकनीति और सीएसडीएस के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो भारतीय जनता पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक बढ़ने की शुरूआत 1998 से शुरू हो गई थी। जहां 1996 में भाजपा को मात्र 2 परसेंट मुस्लिम वोट मिला था। वहां 1998 में वह तीन गुना यानी 6 परसेंट पहुंच गया था। इसके बाद 1999 और 2004 में एक फीसद बढ़कर यह 7 परसेंट तक पहुंच गया था।

15वीं लोकसभा में यह घटकर 4 परसेंट पर आ गया था। इसके बाद प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में चुनाव में उत्तरने वाले नरेंद्र मोदी जिनकी छवि विपक्ष ने मुस्लिम विरोधी की बना रखी थी, के आने के बावजूद 16वीं लोकसभा यानी 2014 में भाजपा को मुस्लिमों का 9 परसेंट वोट मिला। यह पिछली बार की तुलना में सम्मेलन किया जिसमें पूरे राज्य से अल्पसंख्यकों के नेता जुटे। इस मौके पर ममता ने इमामों की तनख्वाह में हर महीने 500 रुपये की बढ़ोत्तरी का ऐलान किया। इसके साथ साथ ममता ने कहा कि उनकी सरकार पुजारियों का भत्ता भी 500 रुपये महीने बढ़ाएगी। अब बंगाल में इमामों को तीन हजार रुपये और पुजारियों को 1500 रुपये हर महीने मिलेंगे। पुजारियों और इमामों की तनख्वाह में इजाफे के ऐलान के बाद ममता ने भाजपा पर मुसलमानों से नफरत करने का इल्जाम लगाया। ममता ने कहा कि अल्पसंख्यकों को, खासतौर पर मुसलमानों को भाजपा से सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि भाजपा के कुछ नेता, कई अल्पसंख्यक नेताओं को पैसे देकर बंगाल का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। ममता ने ये भी कह दिया कि बंगाल के लोगों को प्रधानमंत्री और कांग्रेस से भी बचकर रहना चाहिए क्योंकि भाजपा, प्रधानमंत्री और कांग्रेस आपस में मिले हुए हैं।

इसके बाद ममता बनर्जी का सिविल कोड, और सीएए की बात करती है। ममता बनर्जी का कहना है कि वो बंगाल में इस तरह के कानून किसी कीमत पर लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, 'मैं फुरुक्त शरीफ के मौलाना का बहुत सम्मान करती हूं लोकिन मैं आपसे भी ये धर्म मेरे दिल में है। मेरा धर्म मेरे मन में है। मेरे प्राण में है।' ममता बनर्जी इमामों की तनख्वाह बढ़ाएं, इसमें किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। ममता भाजपा का नाम लेकर मुसलमान को डराएं, इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अचरज की बात तो ये है कि ममता ने बंगाल के लोगों से कहा कि भाजपा, सी.पी.एम. और कांग्रेस आपस में मिले हुए हैं। अब लोग पूछ सकते हैं कि ममता तो पट्टा और बैंगलोर में दो-दो बार कांग्रेस और सी.पी.एम. के नेताओं के साथ मीटिंग कर चुकी हैं, मोदी के खिलाफ जो गठबंधन बना है, उसमें ममता के साथ राहुल गांधी और सीताराम येचुरी भी शामिल हैं। तो फिर बंगाल में सी.पी.एम. और कांग्रेस भाजपा की मदद क्यों करते हैं? इसका जवाब ममता ही दे पाएगी।

गैरतलब यह भी है कि भाजपा व ममता को मात्र 3 साल पहले बने नए दल आईएसएफ से भी उसे कांटे की टक्कर मिल सकती है। अभी हाल में समाप्त हुए पंचायत चुनाव में आईएसएफ ने 300 से अधिक सीटें जीतकर भाजपा व ममता के माथे पर बल ला दिया था। खासकर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में टीएसी को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। आईएसएफ की अब उर्दू के साथ-साथ बंगाली भाषी मुस्लिमों पर अच्छी पकड़ बन गई है।

---

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

**चांट तो बस शुरुआत है, इसरो को तो  
सूरज, मंगल और शुक्र तक जाना है**

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का चंद्रयान-3 बुधवार को चांद की सतह पर उतरेगा। यह न केवल प्रतिष्ठित अंतरिक्ष एजेंसी के लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। चंद्रयान-3 तो बड़ी उपलब्धि है ही, इसरो की लाइन-अप भी तैयार है। इसके बाद इसरो की तैयारी सूरज, मंगल और शुक्र तक जाने की है।

## इसरा का गगनयान भारत का अंतरिक्ष में महान्

एल-1 भारत का दूसरा एस्ट्रोनॉमी मिशन होगा। स्पसक्राफ्ट सूर्य-पृथ्वी के सिस्टम में लैगरेंज पॉइंट-1 (एल1) के पास बने हैलो ऑर्बिट में रहेगा। यह धरती से 15 लाख किमी दूर है। इस यान की मदद से सूर्य का लगातार अध्ययन संभव होगा। ग्रहण और अन्य खगोलीय घटनाएं भी इसमें खलल नहीं डालेंगी।

A photograph of the Chandrayaan-1 satellite, a rectangular structure with solar panels, positioned in front of the Indian national flag. The flag is prominently displayed in the background, featuring its characteristic saffron, white, and green horizontal stripes and the Ashoka Chakra in the center.

में सतह पर हो रहे बदलावों पर नजर रखेगा, जो अंतरिक्ष और समय की वजह से नहीं हो पाता। यह हर 12 दिन में डिफरेंशन ऐप बनाएगा और इसके लिए दो फ्रेक्वेंसी बैंड्स का इस्तेमाल करेगा। इससे भूकंप की आशंका बाले इलाकों की पहचान करने में नदद मिलेगी।

इसकी लागत करीब 1.5 रुपये आई थी, जो अब तक क्षमता का लिए लगाया जा रहा है।

भारत का मिशन वस ता 2024  
के लिए नियोजित था, फिलहाल  
इसके 2031 से पहले पूरे होने वें  
आसार नहीं है। सरकार से अब  
तक आवश्यक मंजूरियां तक नहीं  
मिली हैं।

**स्पेडेक्स (स्पेस डॉकिंग  
एक्सपरिमेंट)**

भारत भविष्य में अपना स्पेस  
स्टेशन बनाता है तो उसे अपने  
स्पेस डॉक की आवश्यकता होगी।

# मोहब्बत की दुकान पर बिकता नफरत का सामान

राजश कुमार पासा

पहली बात तो यह है कि मोहब्बत की कोई दुकान हो ही नहीं सकती क्योंकि मोहब्बत बिकने की चीज नहीं है । जो बिकती हो, उसे मोहब्बत कहा ही नहीं जा सकता । इसलिये इसमें किसी को कोई शक नहीं होना चाहिये कि राहगूल गाँधी जो दुकान लगाकर बैठे हैं, उस पर जो बिक रहा है, वो मोहब्बत नहीं है । दुकान का मतलब ही है, दुकान वो जगह होती है जहाँ किसी सामान की बिक्री की जाती हो । न जाने किसने उन्हें मोहब्बत की दुकान खोलने की सलाह दी है और वो भी बिना सोच समझे मोहब्बत की आभनता प्रकाशराज न दश क वैज्ञानिकों की उपलब्धि को लेकर चन्द्रयान योजना का मजाक उड़ाया है । मोदी से नफरत में एक अभिनेता देश और देश के वैज्ञानिकों के खिलाफ चला गया । एक तरफ देश के वैज्ञानिक हैं, जिनके कारण पूरी दुनिया में देश का मान-सम्मान बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ देश के बढ़ते मान-सम्मान से चिढ़े हुए उनके साथी हैं । उनके साथी दिन-रात मोदी को गालियाँ देते रहते हैं लेकिन बात सिर्फ मोहब्बत की करते हैं । इनके एक बड़े प्रिय साथी सूरजेवाला हैं, ये महान नेता मोदी और भाजपा से इतनी नफरत करते

दुकान सजा कर बैठ गये हैं। कल्पना कीजिये आप किसी मंदिर में दर्शन को जायें और वहाँ एक दुकान लगी हुई दिखाई दे जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा हो कि यहाँ भगवान का प्रसाद मिलता है। दुकानदार जोर-जोर से हैं कि इन्होंने भाजपा के समर्थकों और बोटरों को राक्षस की सज्जा दे दी। सवाल पैदा होता है कि एक पार्टी और नेता में देश की जनता को ही गाली देना कहाँ की राजनीति है। जो बोटर आज भाजपा को बोट दे रहे हैं, वो कल कौंप्रेस को

चिल्ला कर प्रसाद ले लो, प्रसाद ले लो की आवाज लगा रहा हो । जब आप दुकान पर जायें और वहाँ आपको दुकान के अन्दर प्रसाद की जगह बूचड़खाना चलता दिखाई दे तो आपकी क्या हालत होगी । जी हाँ, यही हालत राहुल की दुकान को देखकर महसूस होती है । वो पूरे देश में चिल्ला-चिल्ला कर मोहब्बत बेच रहे हैं लेकिन उनकी दुकान में सिवाय नफरत के कुछ दिखाई नहीं देता है । यही कारण है कि उनकी दुकान में नये ग्राहक आने को तैयार नहीं है । पिछले दस सालों से वो लगातार जोर-जोर से हांक लगा रहे हैं लेकिन ग्राहक उनसे दूर होते जा रहे हैं । उनकी दुकान पर जो भीड़ दिखाई देती है, वो उनके पूर्वजों की मेहनत का नतीजा है । वो मोहब्बत - मोहब्बत चिल्ला रहे हैं लेकिन वोट देते होंग और परिस्थितियाँ बदलने पर फिर दोबारा कांग्रेस को वोट दे सकते हैं । जब कोई पार्टी या नेता हार जाता है तो वो जनता की मर्जी मानकर हार स्वीकार कर लेता है, यही लोकतन्त्र की खूबसूरती है । जो पार्टी लोकतन्त्र बचाने की बात करती है, उसका ही नेता जनता को सरेआम गाली दे रहा है । वो कहता है कि कुरुक्षेत्र की पवित्र धरती से मैं भाजपा के वोटरों और समर्थकों को श्राप देता हूँ । ये आदमी कौन से पर्वत पर तपस्या करके आया है, जो इसे जनता को श्राप देने की ताकत मिल गई है । जो रोज टीवी और सोशल मीडिया में झूट बोलता हो, वो आदमी किसी को श्राप देने की ताकत रखता ही नहीं है । अगर एक परिवार की वर्षों से गुलामी करने से कोई ताकत हासिल हो गई

उनकी दुकान से उठ रही नफरत की बबू पूरी दुनिया में फैलती जा रही है । इसके लिये भी किसी दूसरे को दोष नहीं दिया जा सकता क्योंकि वहाँ हैं जो दुनिया के विभिन्न मंचों पर जाकर देश के खिलाफ नफरत का बाजार खोल कर आ गये हैं । वो एक ऐसे नेता बन चुके हैं जो बात तो मोहब्बत की करता है लेकिन उसने अपने आसपास ऐसे लोगों की भीड़ जमा कर रखी है, जिनके चेहरे, जुबान और सोच से नफरत का जहर उछल-उछल कर बाहर निकल रहा है । राहुल और उनके सहयोगी यह प्रचार करते रहते हैं कि उनका नेता देश में नफरत के खिलाफ लड़ रहा है लेकिन सवाल ये पैदा होता है कि नफरत के खिलाफ लड़ने वालों की भाषा में ही नफरत भरी हुई है तो वो कैसे नफरत के खिलाफ लड़ेंगे । एक व्यक्ति के खिलाफ नफरत यहाँ तक पहुँच गई है कि राहुल और उनके साथी देश से ही नफरत करने लगे हैं । अभी-अभी फिल्म हो तो कुछ नहीं कहा जा सकता । इनकी एक सहयोगी सुप्रिया श्रीनेत के नाम से हैं । सोशल मीडिया में उनके पोस्टों से नफरत बह-बह कर पूरे देश में फैलती रहती है लेकिन वो भी मोहब्बत की दुकान में काम करने का दावा करती है । टीवी पर उनकी बहस में मोदी और भाजपा के प्रति उनकी नफरत को महसूस किया जा सकता है । इनके और भी नेता हैं, जो रोज-रोज मोदी और भाजपा से नफरत के कारण देश की उपलब्धियों का ही मजाक बना रहे होते हैं । कांग्रेस के शासनकाल में सैकड़ों दंगे हुए हैं लेकिन किसी ने नेहरू जी, इन्दिरा जी और राजीव जी को हत्यारा, मौत का सौदागर, हिटलर, मुसोलिनी, खून का प्यासा कभी नहीं कहा । गुजरात के एक दंगे के लिये इनकी माता जी ने मोदी जी को मौत का सौदागर बता दिया था । जिस दंगे में मोदी जी को दोषी साबित करने के लिये पूरा सरकारी और गैर सरकारी तंत्र कांग्रेस ने झोक दिया था ।

## आर्यभट्ट, वराहमिहिर और ब्रह्मगुप्त चांद के बारे में उन्होंने जो कहा था सच निकला

An aerial photograph showing the Chandrayaan-3 lander and rover on the dark, cratered surface of the Moon. The lander is a large, rectangular structure with solar panels, and the rover is a smaller, more compact vehicle to its right. The background is the vast, dark expanse of space and the Moon's horizon.

आरत का चंद्रयान-3 मिशन लाहास रच दिया है। चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल (एलएम)

समा की सतह पर पहुंच कर लाहास रच दिया है। इसरो ने

इससे हिंदू धर्म की यह मान्यता खारिज हो गई कि राहु नामक ग्रह सूर्य और चन्द्रमा को निगल जाता है। इससे सूर्य और चन्द्र ग्रहण होते हैं।

वराहमिहिर विलक्षण भारतीय खगोलशास्त्री थे। वे ज्योतिष विद्या में भी पारंगत थे। इसके साथ ही वे प्रतिष्ठित गणितज्ञ भी थे। वे प्रमुख भारतीय ऋषि थे जिन्होंने लगभग 1500 साल पहले मंगल ग्रह पर पानी की उपलब्धता की भविष्यवाणी की थी। वराहमिहिर ने अंतरिक्ष और

मानवरहित मिशन प्लान किए हैं। इसरो अगले साल की शुरुआत में पहला मानवरहित फ्लाइट टेस्ट करने वाला है। इस यान को व्यामित्र नाम दिया गया है।

हॉफ-ह्यूमॉनाइड के तौर पर इसकी व्याख्या की जा रही है। यह इसरो के कमांड सेंटर से जुड़ा रहेगा।

गगनयान प्रोजेक्ट के लिए इसरो ने क्रायो स्टेज ईंजिन क्वालिफिकेशन टेस्ट, कू एस्कैप सिस्टम के साथ ही पैरेशूट एयरड्रॉप टेस्ट पूरे कर लिए हैं।

टेस्ट क्रीकल के एस्कैप सिस्टम

लैंडिंग की प्रक्रिया को पूरा कर या गया है। हालांकि, चांद को करकर सैकड़ों साल पहले से यारे मशहूर खगोलशास्त्री नकारियां देते रहे हैं। इसके थी आर्यभट्ट, वराहमिहिर ये विद्वानों ने चंद्रमा को लेकर एकलित दिंद धारणाओं को

आदित्य एल-1 को पीएसएलवी रोकेट से लॉन्च किया जाएगा और यह चंद्रयान मिशन की तरह ही होगा। स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी की निचली कक्षा में होगा और इसे एल1 की तरफ धकेला जाएगा। लॉन्च से एल1 की ओर इस यान की यात्रा चार महीने की होगी।

इस मिशन में सात पेलोड होंगे। चार सूर्य की रिमोट सेंसिंग करेंगे और तीन उस पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

बिलियन डॉलर होगी और यह दुनिया का सबसे महंगा सैटेलाइट होगा। इसका लॉन्च जनवरी 2024 में प्रस्तावित है। 2800 किगलों का यह सैटेलाइट एल-बैंड और एम-बैंड सिंथेटिक अपर्चर रडार (एसएआर) उपकरणों से सुसज्जित होगा।

इससे यह डुअल-फ्रिक्वेंसी इमेजिंग रडार सैटेलाइट बनेगा। फिर मंगल फतह की कोशिश भारत का दुसरा इंटर-प्लॉनेटरी

इसके लिए स्वदेशी स्पेडेक्स बनाया जा रहा है। इसका लक्ष्य पृथ्वी की कक्षा में दो स्पेसक्राफ्ट को डॉक (पार्क) करने की तकनीक विकसित करना है। मल्टी-मॉड्यूल स्पेस स्टेशन बनाने के लिए यह अहम होता है। साथ ही इससे अन्य ग्रहों पर मनुष्यों को भेजने के मिशन और कक्षा में किसी स्पेसक्राफ्ट में इंधन भरने में भी भारत महारत हासिल कर लेगा।

## क्लाइमेट ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट

जिसे रक्षा विभाग नामित हो कि यहां भगवान का प्रसाद मिलता है। दुकानदार जोर-जोर से चिल्ला कर प्रसाद ले लो, प्रसाद ले लो की आवाज लगा रहा हो। जब आप दुकान पर जायें और वहाँ आपको दुकान के अन्दर प्रसाद की जगह बूचड़खाना चलता दिखाई दे तो आपकी क्या हालत होगी। जी हाँ, यही हालत राहुल की दुकान को देखकर महसूस होती है। वो पूरे देश में चिल्ला-चिल्ला कर मौहब्बत बेच रहे हैं लेकिन उनकी दुकान में सिवाय नफरत के कुछ चिर्पल्च-तर्मि तेज़ है। जी हाँ, यही है। जो वोटर आज भाजपा को वोट दे रहे हैं, वो कल कांग्रेस को वोट देते होंगे और परिस्थितियाँ बदलने पर फिर दोबारा कांग्रेस को वोट दे सकते हैं। जब कोई पार्टी या नेता हार जाता है तो वो जनता की मर्जी मानकर हार स्वीकार कर लेता है, यही लोकतन्त्र की खूबसूरती है। जो पार्टी लोकतन्त्र बचाने की बात करती है, उसका ही नेता जनता को सरेआम गाली दे रहा है। वो कहता है कि कुरुक्षेत्र की पवित्र धरती से मैं भाजपा के तौर पर और स्पर्शकों को शाप देता

ग्रह सूर्य के प्रकाश के खारिज किया है। बात चाहे यह ग्रहण के कारण की हो या कारण चमक रहे हैं। वराहमिहि ने सर्व सिद्धांत की चरना की थी। ग्रह सूर्य के प्रकाश के खारिज किया है। बात चाहे यह ग्रहण के कारण की हो या कारण चमक रहे हैं। वराहमिहि ने सर्व सिद्धांत की चरना की थी। इनकी एक सहयोगी सुप्रिया श्रीनेत के नाम से हैं। सोशल मीडिया में उनके पोस्टों से नफरत बह-बह कर परे देश में फैलती रहती है।

ब्रह्मगुप्त भारत के महान गणितज्ञों में शामिल थे। ब्रह्मगुप्त ने आर्यभट्ट और वराहमिहिर के ज्योतिष सारांशी प्रिटान्डों तथा पूरा काम मुझे ही संभालना पड़ता है। यहाँ पुरुष के लिए धूमने-फिरने के लिए चौकीस घटे होते हैं, लेकिन चिर्यों के लिए तिर्थिचतुर समय के बहाने बना रहा है। मौका मिलते ही मुझे आँख मार रहा है। वह मुझे ऊपर से नीचे तक ताप-ताप धूप रखा है। मैं चाहती तो टक्कत बहल काम पहा हूँ जो दुकान के विभिन्न मंचों पर जाकर देश के खिलाफ नफरत का बाजार खोल कर आ गये हैं। वो एक ऐसे नेता होते हैं, जो तो तो तो तो

ज्यात्राके सम्बन्ध में लक्ष्यों तक गणित के कुछ नियमों में संशोधन किया। ब्रह्मगुप्त भारत के ऐसे पहले गणितज्ञ थे, जिन्होंने कठी पतंग की तरह लूटने के लिए लालायित रहता है। पति निकम्मा ही अपनी वाली के शास्त्रों से लाला लालों को समाज क्यों विधवा को समाज में रखता है? शाम छह बजे से पहले तक आने वाली स्त्रियाँ लोगों की नजर में चरित्रवान और अधेरों में आने वाली पहले कानाफूसी और बाद में निर्विवाह या विवाह देती हैं। यह आपको बन चुक ह जा बात ता माहब्बत की करता है लेकिन उसने अपने आसपास ऐसे लोगों की भीड़ जमा कर रखी है, जिनके चेहरे, जुबान जो मानना का प्रतीक उपका नफरत को महसूस किया जा सकता है। इनके और भी नेता हैं, जो रोज-रोज मादी और भाजपा से नफरत के लिए जाने जाते हैं।

मा का निगल लता ह। नहीं जो साल की उम्र में आर्यभट्ट ने पता लगाया था कि धरती मनी धुरी पर धूमती है। आर्यभट्ट यह भी पता लगाया कि चन्द्रमा र सूर्य के बीच पृथ्वी के आसने से और उसकी छाया चंद्रमा पड़ने से 'चंद्रग्रहण' होता है। स्थापना का। इसके जायच प्रह और तारों की गति, स्थितियों का अध्ययन किया। ब्रह्मगुप्त ने पृथ्वी की परिभ्रमण गति तथा चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण से सम्बन्धित आर्यभट्ट एवं वराहमिहिर के सिद्धान्तों का खण्डन किया।

चहे नहाने तक न पर न हान नड़ा रहा। परना मेरी बहन तो कभी भाई और कभी पिता मेरे साथ रहते और मुझे इस दुख से उबरने का साहस देते। यह दुनिया काम करने वालों को कभी फुर्सत नहीं देती। और जिनको फुर्सत देती है उनको काम नहीं देती। सो सभी मुझे छोड़कर अपने-अपने घर चले गए। अब मैं अकेली, सास-ससुर के साथ रहती हूँ। घर का नहाना लाना, लिनाउप, लाउडर, पांगना से दूर रहने का फरमान है। इस फरमान का कड़ाई से पालन करने पर भी मैं अपने ही कुछ अवयवों से हारी हूँ। ये अवयव एक समय खूबसूरी का कारक बनते हैं तो एक समय जीना दुश्वार कर देने वाले घातक शूल। दुकान पर जान पर दुकानदार मुझे जानबूझकर रोकने के लिए सामान देरी से देने के लिए तरह-तरह बूँदों से बहा पर नहु का। पर लाना पा कानाफूसी से बचने के लिए बहुत जरूरी था। तब भी हमारे घर के पास एक बर्दी रहता है जिसकी पत्नी और बच्चे हैं, उसने कहा – “कभी हमें भी आपकी खातिरदारी करने का मौका दो।” मुझे पता नहीं कि कितनों ने मेरी खातिरदारी की, लेकिन वह मुझे केवल एक शब्द कहकर चरित्रहीन बनाने पर तुला था।

ह लाकन सबल य पदा हाता है कि नफरत के खिलाफ लड़ने वालों की भाषा में ही नफरत भरी हुई है तो वो कैसे नफरत के खिलाफ लड़ेंगे। एक व्यक्ति के खिलाफ नफरत यहाँ तक पहुँच गई है कि गहुल और उनके साथी देश से ही नफरत करने लगे हैं। अभी-अभी फिल्म का सादानर, हटपा, नुसारेना, खून का प्यासा कभी नहीं कहा। गुजरात के एक दंगे के लिये इनकी माता जी ने मोदी जी को मौत का सौदागर बता दिया था। जिस दंगे में मोदी जी को दोषी सवित करने के लिये पूरा सरकारी और गैर सरकारी तंत्र कांग्रेस ने झोक दिया था।



## चांद का राज



डॉ. सरेश कुमार मिश्रा

# बाहुद-बाहुद का फेर

मैं छह महीने पहले तक शादी-शुदा थी। अब विधवा हूँ। न जाने यह समाज क्यों विधवा को कटी पतंग की तरह लूटने के लिए लालायित रहता है। पति निकम्मा ही सही हवास के भूखों से बचाए रखने का लायसेंस होता है। मंगलसूत्र, सिंदूर, बिछुए मुझे यह याद दिलाते हैं कि मैं किसी के साथ बंधी हूँ। इसके न होने पर हर कोई मुझे यूज़ करने के बारे में सोचता है। पति के मरने के छह महीने तक मैं घर में ही पड़ी रही। कभी मेरी बहन तो कभी भाई और कभी पिता मेरे साथ रहते और मुझे इस दुख से उतारने का साहस देते। यह दुनिया काम करने वालों को कभी फुर्सत नहीं देती। और जिनको फुर्सत देती है उनको काम नहीं देती। सो सभी मुझे छोड़कर अपने-अपने घर चले गए। अब मैं अकेली, सास-ससुर के साथ रहती हूँ। घर का पूरा काम मुझे ही संभालना पड़ता है। यहाँ पुरुष के लिए घूमने-फिरने के लिए चौबीस घंटे होते हैं, लेकिन स्त्रियों के लिए निश्चित समय होता है। शाम छह बजे से पहले लौट आने वाली स्त्रियाँ लोगों की नजर में चरित्रवान और अंधेरे में आने वाली पहले कानाफूसी और बाद में चरित्रहीनता का शिकार होती हैं। रात आठ बजे सामान लाने के लिए किराना की दुकान पर क्या गई भाभी कहने वाले लोगों की आँखों में कुछ और ही नजर आ रही थी। विधवा मतलब सजने-धजने, खूबसूरत कपड़े पहनने, मेहंदी लगाने, लिपस्टिक, पाउडर, काजल से दूर रहने का फरमान है। इस फरमान का कड़ाई से पालन करने पर भी मैं अपने ही कुछ अवयवों से हारी हूँ। ये अवयव एक समय खब्बसूरती का कारक बनते हैं तो एक समय जीना दुश्वार कर देने वाले घातक शूल। दुकान पर जान पर दुकानदार मुझे जानबूझकर रोकने के लिए सामान देरी से देने के लिए तरह-तरह के बहाने बना रहा है। मौका मिलते ही मुझे आँख मार रहा है। वह मुझे ऊपर से नीचे तक बार-बार धूर रहा है। मैं चाहती तो दुकान बदल सकती हूँ, लेकिन लोगों की नीयत बदलने की मेरे पास तरकीब नहीं है। सामान थमाते हुए उसने मेरे हाथ मिस दिए।

सङ्क पर शराब की दुकान भी होती है। वहाँ से गुजर रही थी तो कुछ लोग मेरा भाव पूछने लगे। मैं नहीं जानती की रातों की कीमत क्या होती है? नम हथेलियाँ, भयभीत चेहरा लिए जैसे-तैसे शर्मिंदगी और रंज का पसीना सूखने से पहले घर पहुँचना चार लोगों की कानाफूसी से बचने के लिए बहुत जरूरी था। तब भी हमारे घर के पास एक बद्री रहता है जिसकी पत्नी और बच्चे हैं, उसने कहा — “कभी हमें भी आपकी खातिरदारी करने का मौका दो।” मुझे पता नहीं कि कितनों ने मेरी खातिरदारी की, लेकिन वह मुझे केवल एक शब्द कहकर चरित्रहीन बनाने पर तुला था।

विवरण मचा पर जाकर दश के खिलाफ नफरत का बाजार खोल कर आ गये हैं। वो एक ऐसे नेता बन चुके हैं जो बात तो मोहब्बत की करता है लेकिन उसने अपने आसपास ऐसे लोगों की भीड़ जमा कर रखी है, जिनके चेहरे, जुबान और सोच से नफरत का जहर उछल-उछल कर बाहर निकल रहा है। ग्रहुल और उनके सहयोगी यह प्रचार करते रहते हैं कि उनका नेता देश में नफरत के खिलाफ लड़ रहा है लेकिन सवाल ये पैदा होता है कि नफरत के खिलाफ लड़ने वालों की भाषा में ही नफरत भरी हुई है तो वो कैसे नफरत के खिलाफ लड़ेंगे। एक व्यक्ति के खिलाफ नफरत यहाँ तक पहुँच गई है कि ग्रहुल और उनके साथी देश से ही नफरत करने लगे हैं। अभी-अभी फिल्म लोकन वा भा माहज्जत का दुकान में काम करने का दावा करती हैं। टीवी पर उनकी बहस में मोदी और भाजपा के प्रति उनकी नफरत को महसूस किया जा सकता है। इनके और भी नेता हैं, जो रोज-रोज मोदी और भाजपा से नफरत के कारण देश की उपलब्धियों का ही मजाक बना रहे होते हैं। कंग्रेस के शासनकाल में सैकड़ों दंगे हुए हैं लेकिन किसी ने नेहरू जी, इन्दिरा जी और राजीव जी को हत्यारा, मौत का सौदागर, हिटलर, मुसोलिनी, खून का प्यासा कभी नहीं कहा। गुजरात के एक दंगे के लिये इनकी माता जी ने मोदी जी को मौत का सौदागर बता दिया था। जिस दंगे में मोदी जी को दोषी साबित करने के लिये पूरा सरकारी और गैर सरकारी तंत्र कांग्रेस ने झोक दिया था।



## बायकॉट बॉलीवुड ट्रेंड पर परेश रावल ने खुलकर की बात, बोले- बी-टाउन को कोई हिला नहीं सकता

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता परेश रावल इन दिनों अपनी फिल्म 'झीम गर्ल 2' को लेकर चर्चा में हैं। आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की इस फिल्म में एकत्र विजय राज के पिता के किरदार में नजर आएंगे। 'झीम गर्ल 2' 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच एक मीडिया संस्थान को दिए गए साक्षात्कार में अभिनेता ने बायकॉट बॉलीवुड ट्रेंड पर खुलकर बात की है।

बायकॉट बॉलीवुड ट्रेंड को लेकर कही यह बात

परेश रावल ने कहा, 'मैं सोशल मीडिया पर चलने वाले इन ट्रेंड्स को अटेंशन नहीं देता हूं। बॉलीवुड



कोइं हिला नहीं  
सकता। हम यहां लंबे समय से टिके हुए हैं, लेकिन इसके साथ मैं कहना चाहूँगा कि हमें और अधिक एकजुट होने की

जरूरत है, इससे हम इस सकते हैं।' **'विकेट और किटराइट नेन फैवरट'**

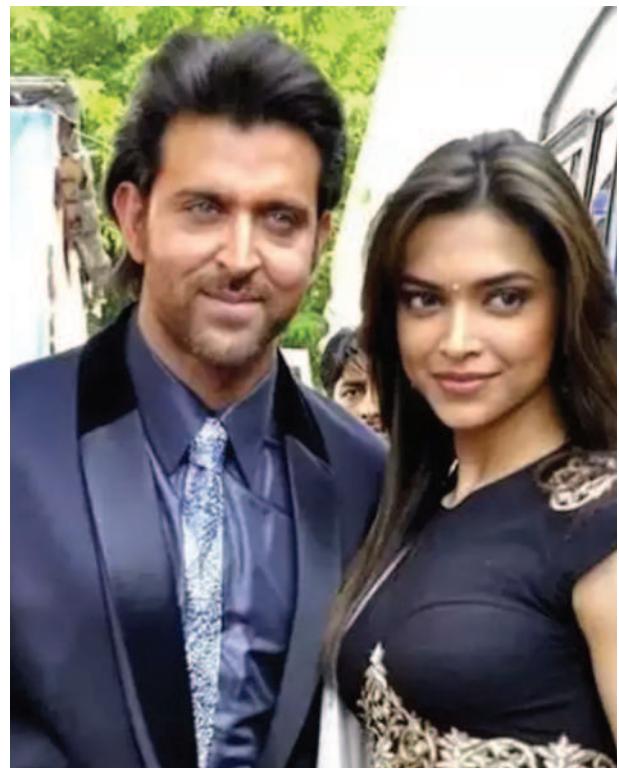
इसके साथ ही उन्होंने इस बारे में भी बात की कैसिट फिल्मों का चुनाव करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एकत्र ने आगे कहा, 'मैंने कई फिल्में सिफ़ेसे के लिए की हैं, लेकिन अब मैं पूरी तरह से इस स्पेस से बाहर आ चुका हूं। सक्रिट और किरदार में नजर आने वाली है।'

## 'फाइटर' में आइटम नंबर करेंगे ऋतिक और दीपिका पादुकोण

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्म 'फाइटर' में साथ नजर आएंगे। दोनों को पर्दे पर साथ देखने के लिए दर्शक उत्सुक हैं। बता दें कि दोनों सितारे पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इस बीच फिल्म से जुड़ी एक अच्छी खबर सामने आ रही है। 'फाइटर' में दीपिका और ऋतिक का एक डांस नंबर देखने को मिलेगा। कहा जा रहा है कि इसे बास्कॉट सीजर कोरियोग्राफ करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि गाना बहुत व्यापक स्तर पर तैयार किया जाएगा।

इतना ही नहीं दोनों सितारों ने गाने की शूटिंग भी शुरू कर दी है। गाने की शूटिंग अगले सप्ताह से शुरू की जाएगी। कहा जा रहा है कि इस गाने को विशाल दलाली नाम दिया जाएगा।



जानकारी के मुताबिक सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में पांच गाने होंगे, जिसमें से एक सैड सॉन्ग होगा। इस फिल्म में दर्शकों को जबरदस्त एकशन सीन देखने की मिलेंगे।

कहा जा रहा है कि 'फाइटर' भारत की पहली एस्ट्रियल एकशन फिल्म है। इस फिल्म में अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर भी अहम रोल में नजर आएंगे।

हाल ही में स्टंट्रेट्रा दिवस के मौके पर मेरेसन ने इस फिल्म का मोशेन पोस्टर जारी किया था, जो दर्शकों को काफी पसंद आया। 'फाइटर' 'वॉर 2' में नजर आएंगे, इसमें जननियर एनटीआर भी अहम रोल में होंगे।

बहीं, दीपिका की बात करें तो वह 'कल्कि 2898 एडी' का दिस्प्लाय रेस में नजर आने वाली है।

## आलिया भट्ट ने बताया अपना बेस्ट बर्थडे गिफ्ट बोलीं- रणबीर लंदन से मेरा फेवरेट के के लाए थे

एक बात के आलिया की लिपिटिक हटाने के दिनकर पहुंच कंट्रोवर्सी बोलीं दिनों आलिया के एक बयान के चल ते

आलिया भट्ट ने हाल ही में रणबीर

अपनी लाइफ के सबसे यादगर बर्थडे गिफ्ट के बारे में बात की।

एकदेस ने बताया कि कैसे उनके पति रणबीर, जो उस बबत उनके बॉयफ्रेंड हुआ करते थे।

उन्होंने आलिया को खास तोहफा दिया था। एकदेस ने

बताया कि वो उन दिनों अयान मुख्यों को एकशन

एडवेंचर फिल्म ब्रह्मसत्र की

शूटिंग कर रहे थे। इंटरव्यू में

आलिया से उनकी लाइफ

का बेस्ट बर्थडे गिफ्ट पूछा

गया। जिसपर एकदेस

ने कहा- 'मुझे जो

सबसे अच्छा गिफ्ट

मिला है, वह मेरे

पति ने दिया था।

तब वह मेरे

बॉयफ्रेंड थे। हम

उन दिनों बुलारिया में

फिल्म की

शूटिंग कर रहे

थे।

आलिया ने

आगे कहा-

'लंदन में एक

लेटो नाम का

कैफे है, जहां का

मिल्क केक मुझे

बहुत पसंद है।

रणबीर खास मेरे लिए

वह मिल्क केक

लंदन से बुलारिया

लेकर थे, ताकि मैं

अपने बर्थडे पर

वह केक काट

सकूँ। उसे दो

दिनों तक खा

सकूँ।

आलिया

ने बताया कि वह

के क

उन्होंने

कि सी

के

साथ भी

शेयर नहीं

किया, रणबीर के साथ भी नहीं।

एकदेस ने कहा कि वह उनकी

लाइफ का सबसे खूबसूरत गिफ्ट

लिए।

सलमान के हिट-एंड-रन के से के चलते

## फ्लॉप हुई थी फिल्म 'ये है जलवा'

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड में 5 साल बाद फिल्म 'गारद-2' से कमबैक किया है। फिल्म अपने पहले पार्ट की तरह ही बॉक्स ऑफिस पर उनके बारे में चर्चा में रही है।

इसी बीच एक इंटरव्यू में अमीषा ने कहा- 'ये है जलवा' पर बात की जिसमें वो सलमान खान के अपोजिट नजर आई थीं।

एकदेस ने कहा कि इस फिल्म में उन्होंने तो अच्छा काम किया था यह यह अमीषा के करियर की नींवी फिल्म थी।

'ये है जलवा' में सलमान और अमीषा ने पहली बार साथ काम किया था। यह अमीषा के करियर की नींवी फिल्म थी।

सलमान को लेकर निगेटिव न्यूज़

चल रही थी

बॉलीवुड हंगाम को दिए एक

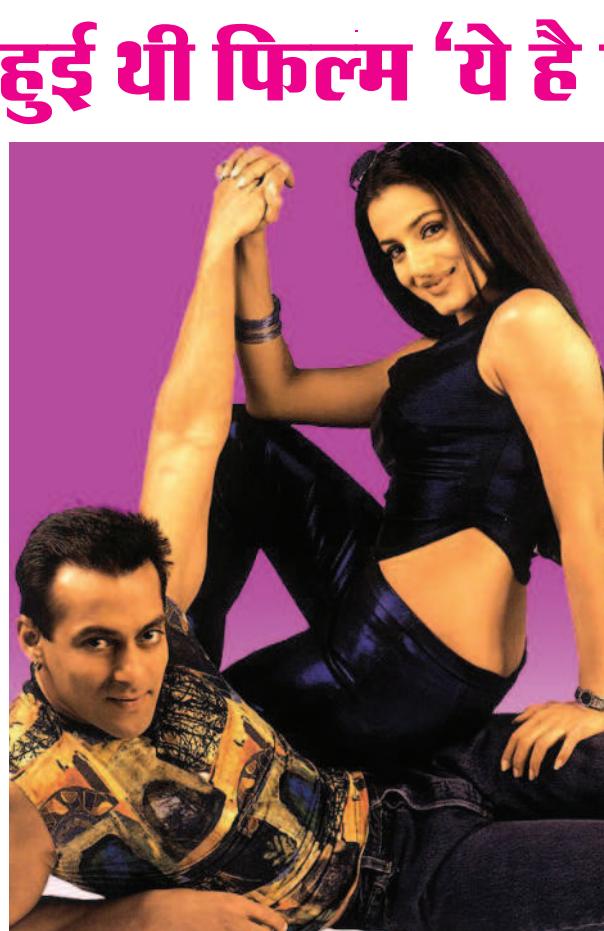
इंटरव्यू में अमीषा को कहा, 'ये है

मीडिया में सलमान खान के हिट

फिल्मों में से एक थी। सलमान

इस फिल्म में बहुत ही हैंडसम

लगे थे और म्यूजिक वर्गीराह सब



'मंगल पांडे' को इतनी बही तरह

रिजेक्ट नहीं करना चाहिए था।

इसके अलावा अमीषा 'हमराज'

और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों के

लिए जानी जाती हैं।

कहते हैं। आलिया ने कहा था कि रणबीर को उनके होठों का नेतृत्व करते हैं। इस बात पर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने रणबीर कपूर को आलिया की आजादी और उनकी पर्सनल-नपरसन दोनों बातों-बातों में ये कह दिया था। बता दें कि ब्रह्मास्त्र की शूटिंग के दौरान आलिया और रणबीर को घायर हुआ। 2022 के 14 अप्रैल को कपल शादी के बंधन में बंध गया, वहां 6 नंबर वर्ड में कपल एक बीची की परेट बना।

परफॉर्मेंस की बात करें तो आलिया और रणबीर दोनों ही फिल्मों में अच्छा काम कर रहे हैं। जहां रणबीर की 'डूटी मैकर' ने वांक से आंफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। एकदेस ने जारी की अलिया की रोकी और रानी की प्रेम कहानी भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है।

एकदेस ने जारी की अलिया और रणबीर दोनों ही फिल्मों में अच्छा काम कर रहे हैं। जहां रणबीर की 'डूटी मैकर' ने वांक से आंफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। एकदेस ने जारी की अलिया की रोकी और रानी की प्रेम कहानी भ

# विविध

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

गुरुवार, 24 अगस्त, 2023 9



## भुजंगासन करने के ये हैं जबर्दस्त फायदे, इन समस्याओं से रहेंगे सुरक्षित

आज के समय में लोग कम उम्र में ही गंभीर बीमारियों के शिकायत हो रहे हैं। चिंता की वात ये हैं कि जो बीमारियां कभी उम्र बढ़ने के साथ होती थीं, वह अब कम उम्र में लोगों को होने लगी है। ये समस्याएं शारीरिक निषिद्धियां के कारण होती हैं। इस तरह की समस्याएं से बचने के लिए नियमित व्यायाम या योगासन करना चाहिए। नियमित योगासन आपके स्वास्थ्य और मन मरिट्स्क के लिए फायदेमंद होता है। योग से शरीर के सभी अंगों में रक्त और आंकिसी जन के संचार को आसानी से बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए भुजंगासन लाभदायक है। भुजंगासन को कोवरा पोज भी कहते हैं। भुजंगासन का नियमित अभ्यास कई गंभीर रोगों के खतरे को जमीन पर रखते हुए सांस लें।

स्टेप 1- शरीर के निचले भाग के जमीन पर रखते हुए सांस लें।

स्टेप 2- अब अपनी दोनों हथेलियों को फर्श पर कंधे की चौड़ाई से अलग रखें।

स्टेप 3- शरीर के निचले भाग के जमीन पर रखते हुए सांस लें।

स्टेप 4- इस दौरान छाती को फर्श से उठाते हुए छत की ओर देखें।

स्टेप 5- फिर सांस छोड़ते हुए



अपने शरीर को फर्श पर दौबारा लेकर आए।

भुजंगासन करने का लाभ तनाव और डिप्रेशन की समस्या से छुटकारा दिलाता है। आइए जानते हैं भुजंगासन के फायदे और इसे करने के तरीके के बारे में।

**छुटकारा**  
इस आसन के नियमित अभ्यास से अक्सर तनाव और डिप्रेशन रहने वाले लोगों को फायदा होता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम समस्याओं से जुड़ा है।

**स्टेप 1- शरीर के निचले भाग के जमीन पर रखते हुए सांस लें।**

**स्टेप 2- अब अपनी दोनों हथेलियों को फर्श पर कंधे की चौड़ाई से अलग रखें।**

**स्टेप 3- शरीर के निचले भाग के जमीन पर रखते हुए सांस लें।**

**स्टेप 4- इस दौरान छाती को फर्श से उठाते हुए छत की ओर देखें।**

**स्टेप 5- फिर सांस छोड़ते हुए**



अपने शरीर को फर्श पर दौबारा लेकर आए।

भुजंगासन करने का लाभ तनाव और डिप्रेशन की समस्या से छुटकारा दिलाता है। आइए जानते हैं भुजंगासन के फायदे और इसे करने के तरीके के बारे में।

## हर महिला के कलेक्शन में जरूर होनी चाहिए हैंडलूम की ये 5 साड़ियां

हैंडलूम की साड़िया हर समय आपके स्टाइल को बढ़ाया बाती है। अपने अपको खूबसूरत दिखाती है। इस तरह की साड़ियों को अपने कलेक्शन में

सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि महिलाओं के पास किन तरहों की हैंडलूम की साड़ियों जरूर होनी चाहिए। इस तरह की साड़ियों को अपने कलेक्शन में

चंदेरी सिल्क

अगर आपको हल्के रंग की साड़ियों पसंद आती हैं तो चंदेरी सिल्क आपके लिए परफेक्ट है।

मध्य प्रदेश में ये साड़ियों बनाई जाती हैं। इस पर सोने और चांदी का वर्क होता है। टेक्स्चर हॉल्ड होने की वजह आप इसे कहीं भी पहन सकती हैं। ये साड़ियों ज्यादा महंगी नहीं आती हैं। आप इसे आसानी से बाजार से खरीद सकती हैं।

मूँगु सिल्क साड़ी

असम में मिलने वाली मूँगु सिल्क साड़ी की साड़ी देखने में काफी खूबसूरत दिखती है। इस साड़ी की खूबसूरत होती है। इस साड़ी की खूबसूरत होती है। इसकी चमक उतनी ही ज्यादा बढ़ती जाती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

पटोला साड़ी

गुजरात के पाटन जिले में पटोला साड़ी को तैयार किया जाता है। इसके तात्पर्य यह है कि ये जितनी पुरानी होती है, इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

पटोला साड़ी

गुजरात के पाटन जिले में पटोला साड़ी को तैयार किया जाता है। इसके तात्पर्य यह है कि ये जितनी पुरानी होती है, इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

कांजीवरम

आपने अक्सर कांजीवरम साड़ी का नाम सुना होगा। कांजीवरम साड़ी नई दुल्हनों के ऊपर काफी प्यारी लगती है। इसके साथ भले ही आप हैंवी मेकअप न करें, भले ही आप हैंवी जेलरी ना पहनें,

शामिल कर सकती हैं। साड़ी एक ऐसा परिधन है जो हर महिला के बालों के बीच अपनी खूबसूरत दिखाती है। अगर आप अपने अपको खूबसूरत दिखाती हैं। इस तरह की साड़ियों को अपको प्रोत्साहन मिल सकता है।

आपने अपको खूबसूरत दिखाती है। अगर आप जानते हैं कि ये जितनी पुरानी होती है, इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

कांजीवरम

आपने अक्सर कांजीवरम साड़ी का नाम सुना होगा। कांजीवरम साड़ी नई दुल्हनों के ऊपर काफी प्यारी लगती है। इसके साथ भले ही आप हैंवी मेकअप न करें, भले ही आप हैंवी जेलरी ना पहनें,

शामिल कर सकती हैं। साड़ी एक ऐसा परिधन है जो हर महिला के बालों के बीच अपनी खूबसूरत दिखाती है। अगर आप जानते हैं कि ये जितनी पुरानी होती है, इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

चंदेरी सिल्क

असम में मिलने वाली मूँगु सिल्क साड़ी की साड़ी देखने में काफी खूबसूरत होती है। इस साड़ी की खूबसूरत होती है। इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की खूबसूरत होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

पटोला साड़ी

गुजरात के पाटन जिले में पटोला साड़ी को तैयार किया जाता है। इसके तात्पर्य यह है कि ये जितनी पुरानी होती है, इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

कांजीवरम

आपने अक्सर कांजीवरम साड़ी का नाम सुना होगा। कांजीवरम साड़ी नई दुल्हनों के ऊपर काफी प्यारी लगती है। इसके साथ भले ही आप हैंवी मेकअप न करें, भले ही आप हैंवी जेलरी ना पहनें,

लेकिन फिर भी आपका लुक सबसे रोमांच की तरफ दिखेगा। इस पर चांदी की साड़ी को ताकियों से लेकर लायें।

चंदेरी सिल्क

अगर आपको हल्के रंग की साड़ियों पसंद आती हैं तो चंदेरी सिल्क आपके लिए परफेक्ट है।

मध्य प्रदेश में ये साड़ियों बनाई जाती हैं। इस पर सोने और चांदी का वर्क होता है। टेक्स्चर हॉल्ड होने की वजह आप इसे कहीं भी पहन सकती हैं। ये साड़ियों ज्यादा महंगी नहीं आती हैं। आप इसे आसानी से बाजार से खरीद सकती हैं।

मूँगु सिल्क साड़ी

असम में मिलने वाली मूँगु सिल्क साड़ी की साड़ी देखने में काफी खूबसूरत होती है। इस साड़ी की खूबसूरत होती है। इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

कांजीवरम

आपने अक्सर कांजीवरम साड़ी का नाम सुना होगा। कांजीवरम साड़ी नई दुल्हनों के ऊपर काफी प्यारी लगती है। इसके साथ भले ही आप हैंवी मेकअप न करें, भले ही आप हैंवी जेलरी ना पहनें,

चंदेरी सिल्क

असम में मिलने वाली मूँगु सिल्क साड़ी की साड़ी देखने में काफी खूबसूरत होती है। इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

पटोला साड़ी

गुजरात के पाटन जिले में पटोला साड़ी को तैयार किया जाता है। इसके तात्पर्य यह है कि ये जितनी पुरानी होती है, इसकी चमक उतनी ही होती है। इन साड़ियों की कीमत दो हजार से लेकर दो लाख तक की होती है।

कांजीवरम

आपने अक्सर कांजीवरम साड़ी का नाम सुना होगा। कांजीवरम साड़ी नई दुल्हनों के ऊपर काफी प्यारी लगती है। इसके साथ भले ही आप हैंवी मेकअप न करें, भले ही आप हैंवी जेलरी ना पहनें,

चंदेरी सिल्क

असम में मिलने वाली मूँगु सिल्क साड़ी की साड़ी देखने में काफी खूबसूरत होती है। इसकी चमक उ



# अमेरिका से हरिद्वार आई तो मिला जीवनसाथी

लोग कमेंट करते-बिहारी से क्यों की शादी, कोई बहू कहता, कोई बोलता-भाभी, विदेशी भारतीयों को अब सिखाती हैं हिंदी

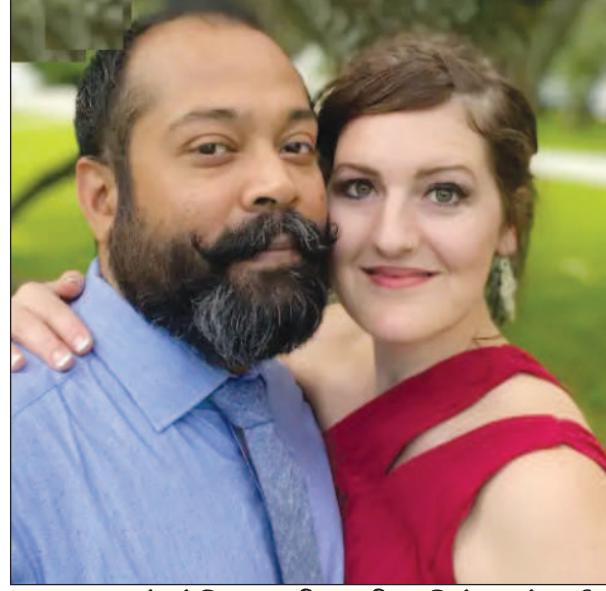
नई दिल्ली, 23 अगस्त (एकस्वलूसिव डेस्क)। अमेरिका में ग्रैंडीशन करने के बाद जेसिका इंटर्नशिप के लिए इंडिया आई। फिर वहाँ की होकर रह गई। बिहार के लड़के से उन्हें प्यार हुआ, जिसके संग उन्होंने घर बसा लिया। अब वह विदेशीयों को हिंदी बोलती हैं, इंडियन कल्चर के बारे में दुनिया की बताती है। बिहारी अंदाज में बोलते हुए उनके बीच बड़ी हुई। मेरे नानानी, मम्मी-पापा और भाई-बहन के बीच बड़ी हुई। मेरे नानानी मेरे घर के पास ही रहते थे। वे ही हम भाई-बहनों को स्कूल से लाते-ले जाते। संदे तो पूरा दिन उन्होंके साथ गुरजता, खाते-पीते और मस्ती करते।

## 2010 में जेसिका की शादी अधिकैक से

अमेरिका से इंडिया आए मुझे 17 साल हो गए हैं। फिर भी बहुत से ऐसे लोग हैं, जो मुझे बिहारी टोन में बोलते देख हैं तो जाते हैं। कई बार तो लोग हद से गुरज जाते हैं और घिसीपटी बातें करने लगते हैं। ये लोग पूछते हैं—मैं मामा आपने बिहारी से शादी कैसे कर ली, बिहार के लोग तो अनवृत होते हैं जैसे जो सांडी-चौथा खाता है। इंडिया में रहकर भी ऐसे लोगों ने कभी बिहार नहीं देखा और न बिहार को जाना।

## शिकायों में जॉइंट फैमिली में बाली-बाली

कई लोगों को लगता है कि मैं अमेरिका में पली-बड़ी हूं, जहाँ सब न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों और



## 2010 में जेसिका की शादी अधिकैक से हुई

कम उम्र में ही अपने घर से बाहर निकली। **एक साल के लिए इंडिया आई, फिर यहाँ की होकर रह गई** मेरे पापा इंटरनेशनल बिजिनेसमें है। वह अस्पर चीन और घर करो, जॉब रेसी विदेशी बच्चों को घर से निकालते हैं। बस वहाँ बच्चों को शुरू से ही आत्मनिर्भर होना सिखाया जाता है। पढ़ाई करो, जॉब करो, फिर शादी करो और जैसे चाहो हो अपनी लाइफ बियो। हाँ, यह जरूर है कि अगर 25 साल का होने के बाद भी कोई अपने पेरेंट्स पर निर्भर रहे, तो उसे अच्छा नहीं मानते। दूसरे बच्चों की तरह ही मैं भी जब 18 साल की हुई, मैं कोई जो घर भी नहीं लिए। फिर वहाँ बच्चों को घर से बाहर निकालते हैं। ये लोग दूसरे स्टेट में गई। यूनिवर्सिटी में 4 साल तक पढ़ाई के बाद उन्होंने मुझे हरिद्वार का

परिचय अधिकैक से कराया। मैं उनके देश में भी और वह पढ़ाई अधिकैक के साथ बिहार लौटी। करने में देश अमेरिका गए थे। कृष्ण समय बाद मैं अपनी फैमिली से मिलने शिकायों गई तो अधिकैक से भी मिली। फिर हमारी दोस्ती हुई, जो धीरे-धीरे घार में बदल गई।

मैं अधिकैक को अपने मम्मी-पापा से मिलाया और बताया कि हम दोनों शादी करना चाहते हैं। तब मेरे पेरेंट्स ने सिर्फ इतना कहा कि अच्छा लड़का है, तुहारे साथ अच्छे से पेश आता है, पढ़ा-लिखा है और कमा रहा है, अगर उन्हें पसंद हो तो शादी कर सकती है।

अधिकैक की आधी फैमिली यूज़स में ही रहती है और मम्मी-पापा इंडिया में। जब उन्हें मेरे बारे में पता चला तो शुरू में वे बहुत दिलाकर रहे थे कि आखिर उनका बेटा किसी बिदेशी लड़की से शादी कर सकता है। पता नहीं कैसी लड़की होगी और शादी के बाद जिंदगी कैसे बीतेगी। लैकिन, मुझे यहाँ के बीच बहार रह गई। पड़ोसी हो गया। पिर दुकानदार और सक्ती वाले, यहाँ लोग इंडिया और चीन के बारे में बात करते थे कि अगली अधिकैक इन्होंनों से देखना चाहती है। एक साल में भी वह बदलाव होते हुए देखना समझना चाहती थी।

मेरे को परिचय की हरिद्वार में भी जब विदेशी वहूं को देखता है तो लोगों का गुस्सा झेलना पड़ता।

वेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

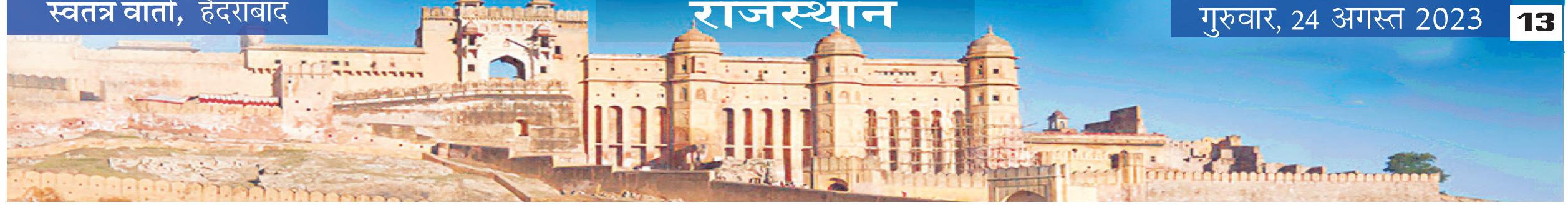
बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में ऐसे लोग हैं और मैं उन्हें सुना रखना पसंद करती हूं।

बेदी का आमनिर्भर नहीं होने देते इंडियन पेरेंट्स

दुनिया के हर हिस्से में





## कांग्रेस का गढ़ रही भोपालगढ़ सीट पहले बीजेपी ने छीना अब आरएलपी काबिज, गुटबाजी दिलाती है तीसरे को फायदा

जोधपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर जिले में स्थित भोपालगढ़ विधानसभा सीट कभी कांग्रेस का गढ़ मानी जाती थी। लेकिन इसको बीजेपी ने छीन लिया। वर्तमान में यहां राष्ट्रीय लोकतांत्रिक दल यानी आरएलपी का कब्जा है। बीजेपी और कांग्रेस की गुटबाजी के चलते तीसरे को फायदा हो सकता है।

पाली लोकसभा क्षेत्र में स्थित भोपालगढ़ विधानसभा, जो कि एससी सीट है। यहां वर्तमान में आरएलपी के विधायक पुखराज गर्ग हैं और न ही कमज़ोर है। इन्हें ही यहां से आरएलपी फिर से अपना प्रत्याशी घोषित कर सकती है।

कभी कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण सीट रही इस विधानसभा से परसराम मदरेणा जैसे वरिष्ठ नेता चुनव लड़ थे, जिसके चलते कांग्रेस की झाली में यह सीट जाती थी। साल 1967 में हुए एहसान विधानसभा चुनाव में राम सिंह विश्वेन्द्र ने भी यहां से चुनाव लड़ा था। इसके बाद साल 1972, 1977 और 1980 के विधानसभा चुनावों में यहां से परसराम मदरेणा ने जीत हासिल कर यहां पर कांग्रेस का बलात्कार रखा।

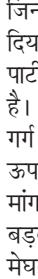
साल 2008 में एक बार फिर बाजी पलट गई और कांग्रेस के कब्जे से यह सीट गई, यहां पर बीजेपी के कमसा मेघवाल 2008 और 2013 में दो बार



किंगडांगी-बीजेपी



पुखराज गर्ग वर्तमान विधायक



कमसा मेघवाल बीजेपी

के हाथ से यह सीट चली गई। इसके बाद बाजी पलटी और 1990 में फिर से कांग्रेस के परसराम मदरेणा यहां से विधायक चुने गए थे। जबकि 1993 में कांग्रेस के रामनारायण दूड़ी, 1998 में फिर से कांग्रेस के परसराम मदरेणा, 2003 में कांग्रेस के महिपाल मदरेणा ने यहां से परसराम मदरेणा थे। इसके बाद साल 1972, 1977 और 1980 के विधानसभा चुनावों में यहां पर बीजेपी और कांग्रेस में स्थिति पैदा होती थी।

दूसरी ओर यहां से जब तक आरएलपी अपना प्रत्याशी घोषित नहीं करती है, तब तक यह कहना जल्दबाजी होगा कि कौन कितने पानी में है। पाली लोकसभा में स्थित यह विधानसभा सीट है।

जिन्हे कांग्रेस द्वारा दरकिनार कर दिया गया और इसी का खामियाजा पार्टी को 2008 से भुगतान जड़ रहा है। आरएलपी से विधायक पुखराज कीमत पर जीतने नहीं देगा। यही ऊपर ही है, वहां कोयेस से टिकट मांगने वालों में अरुण बलार्द, गीता बडबड, पूर्वाम मेघवाल, मनीराम मेघवाल, राजेन्द्र आर्य और पुखराज दिव्यागा, जबकि भाजपा से कमसा मेघवाल, रामगति और अरविंदराज किंगडांगी का नाम चर्चा में है।

इस विधानसभा में भी पाली लोकसभा क्षेत्र की अन्य विधानसभाओं की तरह ही बीजेपी और कांग्रेस में अंतरिक कलह हावी है, जिसका लाभ आरएलपी को गत चुनावों में मिला है और आगे भी मिल सकता है।

यहां कांग्रेस में दिव्या मदरेणा और बद्रीराम जाखड़ का गुट है। जबकि बीजेपी में आरएलपी का और मुख्य संगठन का गुप्त सक्रिय है। कांग्रेस पार्टी से यदि दिव्या मदरेणा समर्थक को प्रत्याशी बनाया जाता

है, तो बद्रीराम जाखड़ गुट उसे संपर्क नहीं करेगा। बीजेपी का प्रकार जाखड़ गुट के व्यक्ति को टिकट मिलने पर मदरेणा गुट उसे किसी ऊपर ही है, वहां कोयेस से टिकट मांगने वालों में अरुण बलार्द, गीता बडबड, पूर्वाम मेघवाल, मनीराम मेघवाल, राजेन्द्र आर्य और पुखराज दिव्यागा, जबकि भाजपा से कमसा मेघवाल, रामगति और अरविंदराज किंगडांगी का नाम चर्चा में है।

कचरूलाल की टीम में शामिल किए गए हैं। वैसे गोमुंदा से ज़िला के अलावा मांगील गरसिया के खेजे नाम भी है। इसलिए संचया ज्यादा होने की बात पार्टी ने कही है। गोमुंदा ब्लॉक में प्रहलाद सिंह ज़िला पर्ले से ही शामिल है और उनको भी डीसीसी में दूसरा पद दें दिया गया। पीसीसी से जारी बलौ मूर्ची में गेंदबाजी कोठारी के खाते नाम ज़िला पर्ले के लिए रिपोर्ट है। आनन्द-फानूर (एजेंसियां)। देहात कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कचरूलाल चौधरी

देहात पर्ले, 23 अगस्त (एजेंसियां)। देहात कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के नए अध्यक्ष कचरूलाल चौधरी को एलान हो गया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) ने कांग्रेसकरिणी को मंजूरी दे दी है।

सूची जारी करने में ज़िलदबाजी दिखायी क्योंकि सूची में नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है। आनन्द-फानूर (एजेंसियां)। देहात कांग्रेस कमेटी के खाते नाम ज़िला पर्ले के अपडेट कोरी पीसीसी से रिवाइज जारी किए गई हैं। कोठारी की जगह सूची में गेंदबाजी को एलावा किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए रिपोर्ट है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते नाम दूसरे पदों के लिए





## तेलंगाना ने विभिन्न क्षेत्रों में जबरदस्त प्रगति दर्ज की : सीएम केसीआर



मेदक, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बुधवार को यहां एकीकृत जिला अधिकारी परिसर (आईडीओसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर को विहित करने के लिए, मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित कलन्दिट परिसर में विशेष पांच की और पुलिस से गार्ड ऑफ अनंत प्राप्ति किया। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री हीरोश राव, महमद अली और वेमुला प्रशांत रेडी, पूर्व उपसभापति पद्म देवरेडर, रुद्धि, महिला अयोग की अध्यक्ष सुनीता लक्ष्मा रेडी, मुख्य सचिव शर्ति कुमारी, दीजीपी अंजन कुमार यादव और अन्य लोग थे। बाद में, केसीआर ने मेदक शहर में एसपी कार्यालय और बीआरएस जिला पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया।

### सीएम ने मेदक आईडीओसी का शुभारंभ किया

हैंदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बुधवार को यहां एकीकृत जिला अधिकारी परिसर (आईडीओसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर को विहित करने के लिए, मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित कलन्दिट परिसर में विशेष पांच की और पुलिस से गार्ड ऑफ अनंत प्राप्ति किया। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री हीरोश राव, महमद अली और वेमुला प्रशांत रेडी, पूर्व उपसभापति पद्म देवरेडर, रुद्धि, महिला अयोग की अध्यक्ष सुनीता लक्ष्मा रेडी, मुख्य सचिव शर्ति कुमारी, दीजीपी अंजन कुमार यादव और अन्य लोग थे। बाद में, केसीआर ने मेदक शहर में एसपी कार्यालय और बीआरएस जिला पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया।

### अचानक गोली चलने से कांस्टेबल की मौत

हैंदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हुनैनआलम आलम में कबूतर खाना पुलिस चौकी पर गार्ड ड्यूची पर कार्यरत तेलंगाना राज्य विशेष पुलिस (टीएसपी) के एक डेंड कांस्टेबल की मांतवारा रात को सर्विस हाँथियार से गोली चलने से मौत हो गई।

नलगोड़ा में टीएसपी 12 बटालियन के बी श्रीकांत ने रात 1 बजे से 1.30 बजे के बीच किसी से फोन पा बात की और आराम करने के लिए पुलिस चौकी के विश्राम कक्ष में चले गए। कुछ मिनट बाद, रेस्ट रूम से गोलियों को तज आवाज सुनाई दी। जब उनके सहकारी कमर में पहुंच तो उन्होंने देखा कि श्रीकांत खन से लथपथ पड़ा हुआ था और उसका हाँथियार काबूझन फूंस पर रखा हुआ था। उन्हें ऑफिस अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अतिरिक्त दीजीपी (दीक्षिण) सैरेंड जहांगर ने कहा कि घटना तब हुई जब श्रीकांत गोलियों की कार्रवाई कर रहा था। गोली उसके माथे को पार कर गयी। मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को ऑफिस शवगृह में स्थानान्तरित कर दिया गया।

सगारेडी, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा है कि सगारेडी में पाठनचेरे विधानसभा क्षेत्र को जल्दी ही कालेश्वरम लिप्त सिंचाई योजना (केएलआईएस) का पानी मिलेगा। सड़क मार्ग से मेडक जाते समय, मुख्यमंत्री थोड़ी देरे के लिए पाठनचेरे निर्वाचन क्षेत्र के गुप्तीडाला में रुके, जहां विधायक गुडेंग परिवाल रेडी बड़ी सलाह में बीआरएस नेताओं और केंद्र के साथ मेडक जिले में उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने लोगों से केंद्रलआईएस पानी के सपेंस को साकार करने के लिए फिर से बीआरएस विधायक को चुनने का आद्वान किया। बाद में वह मेडक में एक बड़ी विधायक जिला कार्यालय परिसर, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और बीआरएस जिला कार्यालय का उद्घाटन करने के लिए मेडक के लिए रवाना हुए। बाद में वह मेडक में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। विष मंत्री टी. हीरोश राव और अन्य उपस्थित थे।

### कुडा अध्यक्ष ने अनधिकृत लेआउट विकसित करने के प्रति चेतावनी दी

बांगल, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुडा के अध्यक्ष संगम रेडी सुदूरराज यादव ने कहा कि अनधिकृत लेआउट विकसित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वह जिले के पंथिनी और पुत्रलु गांवों की सीमाओं में स्थापित किए गए अवैध उद्यमों का जिक्र कर रहे थे। पवित्री गांव में, कुडा कर्मचारियों ने लगभग छह एकड़ में लोकेश और सागर रेडी द्वारा स्थापित एक अवैध उद्यम में लगाए गए सीमा पत्थरों को हटा दिया। उद्यम भी ध्वस्त कर दिया गया। संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं, चेतावने ने चेतावनी दी कि गैर-लेआउट उद्यम करने वालों के बखला नहीं जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से नियम विरुद्ध उद्यम स्थापित करने पर कुडा को सूचना देने की भी अपील की।

### मुख्यमंत्री ने पटनचेरे के लिए कालेश्वरम पानी का आशासन दिया

सगारेडी, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि तेलंगाना विकास के मामले में राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य नई ओंचाइयों पर पहुंच गया है और भारत में लगभग 60 और 70 साल पहुंच बने अन्य राज्यों की तेलंगाना मांडल का अनुसरण करने के लिए तुलना में बहुत कम समय में जारी है। बुधवार को यहां जिला विभिन्न क्षेत्रों में जबरदस्त प्रगति

के बाद अधिकारियों को संबोधित करते हुए, केसीआर ने बताया कि कुछ राज्यों में, कोई उचित विधानसभा और संविधानसभा भवन नहीं हैं, लेकिन तेलंगाना में, 33 जिले बनाए गए हैं और 24 क्षेत्रों में अक्षम सांसदों के कारण तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के लागत में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत के गठन के बाद, आज का राज्य विकास के गठन के बाद, अन्य राज्यों के लिए तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के मामले में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत के गठन के बाद, अन्य राज्यों के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के मामले में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत के गठन के बाद, अन्य राज्यों के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के मामले में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत के गठन के बाद, अन्य राज्यों के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के मामले में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत के गठन के बाद, अन्य राज्यों के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के मामले में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत के गठन के बाद, अन्य राज्यों के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के मामले में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत के गठन के बाद, अन्य राज्यों के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के मामले में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत के गठन के बाद, अन्य राज्यों के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो हर घर को सच्च ऐप्लियोजन करता है और सभी

जिलों में बने इन प्रशासनिक भवनों को देखकर ही तेलंगाना के विकास के मामले में बदल गया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तत्कालीन आध्र प्रदेश ने अध्यक्ष प्राप्ति के लिए तेलंगाना क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, लेकिन तेलंगाना भ